भगवान् श्री कल्कि

पवनपुत्र हनुमान

श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

श्री वैष्णवी भगवती कल्कि रूपणी

गुरुदेव लक्ष्मी नारायण जी

जीत के रहस्य
- सरलता
- स्पष्टवादिता
- सत्यता
- सिद्धांत
- संवेदनशीलता

अंक 1, कुल पृष्ठ 4 मास जनवरी 2013

स्वप्नानुभव विज्ञान विश्व में पहली बार छपी अर्थ, उपचार, प्रार्थना सहित स्वप्नानुभव एक संपदा भगवान श्री कल्कि द्वारा प्रदान सिर्फ एक बार की पारसमणि प्राप्त करने के साथ पारसमणि बनाने की तकनीक जानें इस पुस्तक में

अब यह ग्रंथ क्यों? क्योंकि

जैसे काशी भगवान शिव के द्वारा बसाई गई नगरी है वैसे ही भगवान श्री कल्कि की जन्मस्थली संभल (उ०प्र०) के तीनों कोनों पर शंकर जी ज्योर्तिलिंग के रूप में विराज कर संभल की रक्षा करते हैं। संभल व काशी मोक्ष का खुला हुआ द्वार है

कलयुग की यह भीषण आंधी नहीं ठहरने देती है।
भक्तों को झटके दे देकर दुष्ट जनों को सेती है।।
(स्वप्नानुभव 1961)

जरा पढ़ें तो कल्याण 2012 में –
''श्री हरि का कल्कि रूप में अवतरण एवं गो संरक्षण''
का निष्कर्ष उन्होने दिया :–

भगवान श्री कल्कि के महामंत्र **'जय कल्कि जय जगत्पते पद्मापति जय रमापते'** को कम–से–कम 21 बार जप करके प्रार्थना करें कि हे श्री कल्कि भगवान्। गौ, विप्र, धर्म की रक्षा कीजिए, भूमि का भार उतार दीजिए। कलियुग का नाश करके सत्युग की स्थापना कीजिए। श्रीकल्कि की पुकार ही एक रास्ता है गोमाता, देश और धर्म को बचाने का।

आजकल की दिखावे और भागदौड़ की दुनियाँ में भी नारायण स्वपनानुभवों द्वारा अपने भक्तों का मार्गदर्शन कर रहे हैं ठीक वैसे जैसे राजा चन्द्रचूढ़ का मार्गदर्शन सत्यनारायण व्रत कथा में किया था जिससे आज का मानव नाश से बचकर सुखीभाव से वैभवतापूर्वक जीवन जी सकता है।

सत्युग त्रेता द्वापर की तरह इस कलयुग में स्वपनानुभवों की यह सम्पदा आज की पीढ़ी व जिज्ञासुओं के लिये पहली बार न सिर्फ अर्थ–उपचार प्रार्थना सहित बल्कि लगभग दृष्टाओं के नाम व फोन नम्बर सहित छापी गई है। प्रस्तुत है इस ग्रन्थ के अन्दर के कुछ अंश :–

- बेटे पर से दोहरी मारकेश टली
- कल्कि वालों की लड़कियों की शादी पहले
- तीन में से कौन सी बहू लूँ
- मम्मी मुझे कल्कि जी ने बचाया
- आओ सत्रह घन्टे
- आभार छड़ी से लोन रजिस्ट्री एक ही दिन
- केन्द्र सरकार से पुरस्कृत
- जी.डी. गोयनका में नौकरी मिली
- सरकार के खर्चे पर दो बार जर्मनी गई

(**For Interpretation of KALKI Dreams & others**)
महाविष्णु के दसवें अवतार भगवान श्री कल्कि जी से सम्बन्धित अपने स्वपनानुभवों के अर्थ उपचार प्रार्थना जानने के लिये एवम् आप बीती, सत्संग, मूवी आदि के लिये
www.shrikalkibalvatika.com www.shrikalki.com
www.jaikalki.com
join kalki group (real) on facebook
अधिक जानकारी के लिये : कु. विष्णु गोयल 07503215553, कु. अनिरुद्ध 09873523985

स्वपनानुभव में कम्पयुटर द्वारा सन्तुष्ट न होने पर :
सुश्री इंदू बंसल 9818416191, मेघना गोयल 9968066625, नलिनी गुप्ता 011–42463741,
श्री दीपक गुप्ता (दिल्ली) 9810880470, योगेश गुप्ता 011–23973383,
श्रुति सर्राफ (कोलकाता) 9830157545

रजिस्टर्ड ऑफिस
श्री कल्कि बाल वाटिका (कैन-कैन)
1903 पहली मंजिल, गुरुद्वारे के सामने, चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006

स्वप्नानुभव आने पर क्या करें? 2
सुप्त तीर्थ जागरण अभियान 2
भगवान श्री कल्कि का साहित्य 4
भगवान् श्री कल्कि जी पद्मा जी एवं रमा जी की मूर्ति स्थापना 3
सहपरिवार कल्कि जी के प्रचार कार्य करने की मामाजी की प्रार्थना सफल 3
कल्कि-कल्प वृक्ष 4
सत्संग संकीर्तन महोत्सव 2
अनुभव गोष्ठी 2

''जय कल्कि जय जगत्पते। पद्मापति जय रमापते।।''

स्वप्नानुभव आने पर क्या करें?

—सुश्री रमणी अग्रवाल

1. स्वप्नानुभव को सबसे पहले अपने स्वप्नानुभव रजिस्टर में जल्द से जल्द लिखें।

2. स्वप्नानुभव एक संपदा पुस्तक की अनुक्रमणिका खोलें और अपने स्वप्नानुभव के अनुसार उसे ढूंढे और उस अनुभव का अर्थ देख कर उपचार करें 24 से 36 घंटों में आपको रास्ता मिलना शुरू हो जाएगा।

3. समझ में न आने पर या कोई दुविधा होने पर आप नीचे दी हुई किसी भी वेबसाइट पर अपना अनुभव टाइप करें। आपको 24 से 48 घंटों में उसका अर्थ उपचार मिल जाएगा।

www.shrikalkibalvatika.com www.jaikalki.com

www.jaikalki.com पर आप देखेंगे कि आपको अपने स्वप्नानुभव का अर्थ, उपचार अमेरिका से मिलेगा।

अमेरिका में जब श्रेया चौधरी ने सुश्री सुषमा गोयल के स्वप्नानुभव का अर्थ व उपचार बताया तो ठीक उस ही रात उन्हें स्वप्नानुभव हुआ— मामाजी दिखाई दिए उन्होंने कहा कि मैने सात साल तुम्हारे साथ जो मेहनत की है अब तुम उसे बांटो।

(अर्थ-उपचार पढ़ें अगले अंक में)

स्वप्नानुभव :— 8 जनवरी 2013 को स्वप्नानुभव हुआ कि स्वप्नानुभव एक संपदा-अर्थ, उपचार, प्रार्थना सहित वाली दूसरी किताब का नाम **भविष्य-दर्शन** होगा।

मेरी बेटी भी मेरे साथ बैठी है और पूछ रही है मम्मी अगर जीवन में सुख दुख का क्रम चलता ही रहता है तो भगवान की कृपा को कैसे परिभाषित करेंगे? इस पर मैं कहती हूँ कि जब हम यह समझें कि इस दुख से कभी निकल नहीं पाएंगे, इस दुख से कैसे निकलेंगे?, क्या हम इन्हीं दुखों से सदा घिरे रहेंगे? ऐसे समय में जब हम अचानक अच्छी परिस्थितियों में आ जाएं तो उसे भगवान की विशेष कृपा मानना चाहिए।

अर्थ— भगवान श्री कल्कि का दिया आश्वासन स्वप्नानुभव एक संपदा के बाद आपके जीवन की वैभवता को इंगित कर रहा है। कल्कि जी, माँ सरस्वती, श्री गणेश जी की आप पर कृपा करवाते हुए भगवान श्री कल्कि आने वाली पुस्तक का नाम भी बता रहे हैं **भविष्य-दर्शन।** अब आप जितना अच्छा सोच सकती हैं सोचें आपका वैसा ही होगा क्योंकि अब देव आपके साथ हैं सब फलीभूत जैसा पहले हुआ है वैसा ही होगा। (मकान की एक ही दिन में लोन का मिलना एवं उसी दिन रजिस्ट्री)

बेटी का पूछना जिज्ञासु वर्ग का पूछना एवं आपका जवाब देना माँ दुर्गा द्वारा उत्तर है जो आपके परिवार के साथ 2 अप्रैल 2010 को सत्य होकर चुका है।

—सुश्री मेघना गोयल

सुप्त तीर्थ जागरण अभियान

10 फरवरी 2013 रविवार को संभल में प्राचीन श्री कल्कि विष्णु मंदिर पूर्वीकोट में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ

प्रिय साथियों,

26 एवं 27 जनवरी 2013 को माँ चामुंडा मंदिर हल्लू सराय संभल में भगवान श्री कल्कि की पदमा, रमा सहित मूर्ति स्थापना होने के कारण भक्तों को महीने में दो बार संभल आना सुगम नहीं हो पा रहा था अत: 13 जनवरी 2013 को आयोजित किया जाने वाला सहस्त्रनाम यज्ञ 10 फरवरी 2013 को किया जा रहा है।

प्रति मास की भांति रविवार श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ सुश्री इंदु बंसल, नीलम वार्ष्णेय (क्रिमिनल एडवोकेट) सुश्री अंजु रस्तोगी (पत्नी श्री अतुल रस्तोगी (एडवोकेट) प्राचीन श्री कल्कि विष्णु मंदिर में कर रही हैं। श्री कल्कि भक्तों का पिछले हवनों की भांति ही इस श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में स्वागत है।

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 19 जनवरी 2013
शनिवार 2 फरवरी 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2
दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल
(9899698240)

दिनांक : शनिवार 12 जनवरी 2013
शनिवार 9 फरवरी 2013
स्थान : सी-5/710 मिलन विहार पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग
(9873349478)

भगवान श्री कल्कि के सत्संग-संकीर्तन महोत्सव

दिनांक : रविवार, 17 फरवरी 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2
दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 2 बजे से सायं 7 बजे तक
आरती के पश्चात् प्रसाद ग्रहण करके कृप्या हमें अनुग्रहीत करें

भगवान् श्री कल्कि जी पद्मा जी एवं रमा जी की मूर्ति स्थापना

स्थान—माँ चामुंडा मंदिर, हल्लू सराय
संभल (यू. पी.)
क्रार्यक्रम : 27 जनवरी 2013

शोभा यात्रा ..... प्रातः 10.00 बजे से

मूर्ति पूजा एवं प्राण प्रतिष्ठा ..... प्रातः 12.00 बजे से

कीर्तन..... प्रातः 12.00 से 1.00 बजे

भण्डारा ..... 1.00 बजे से

भगवान विष्णु के मन्दिर निर्माण अथवा प्राण प्रतिष्ठा में जो भी सहयोग देता है उसकी सात पीढ़ियों को कालान्तर में मोक्ष की प्राप्ति होती है —अग्नि पुराण

सहपरिवार कल्कि जी के प्रचार का कार्य करने की मामाजी की प्रार्थना सफल

प्यारे बच्चों, मामाजी प्रतिदिन सुबह शाम भगवान श्री कल्कि की आठ बार की नमस्कार के बाद अपने परिवार की तरफ से भी आठ बार की नमस्कार करने के बाद भगवान श्री कल्कि से कहते थे कि हे कल्कि भगवान मेरा सारा परिवार आपके प्रचार का कार्य करे। 5-6 जनवरी 2013 (इस उत्सव का संपूर्ण विवरण आप अगले अंक में पढ़ेंगे) को मामाजी के जीवन में ऐसा सुनहरा दिन आया जिसमें उनकी प्रार्थना के अनुरूप सारे परिवार जनों ने कल्कि जी के प्रचार का काम किया।

प्रार्थना— हे कल्कि भगवान मैं योगेश, साक्षी, उर्वि, शुभम, मीनाक्षी, राकेशजी, तनिष्क, सार्थक, नीलू, दीपकजी, शुभ, श्रेय की तरफ से जो आठ बार की नमस्कार की है उसे स्वीकार कीजिए। गौ, विप्र, धर्म की रक्षा कीजिए। इन्हें स्वास्थय दीजिए, जीवन दीजिए। ये सब सुखी भाव से वैभवतापूर्वक आपके प्राकटय के प्रचार का काम करेंगे।

''जय कल्कि जय जगत्पते। पद्मापति जय रमापते॥''

कल्कि कल्प-वृक्ष

मेरा काम बच्चों का हाथ नारायण श्री कल्कि के हाथ में देना है। मुझे उन्हें वास्को डिगामा की तरह कल्कि जी का सुदृढ़ सैनिक बनाना है। मुझे बच्चों के जीवन के शुरू के सिर्फ 6 वर्ष चाहिए। उसमें से भी सिर्फ प्रत्येक महीने के एक दिन के 6-7 घंटे, जिसमें उन्हें खेल-खेल में सनातन धर्म (कर्म प्रधान धर्म का ज्ञान, माता-पिता, बड़ों का सम्मान व भगवान की नवधा भक्ति) के संस्कार दिए जाते हैं। फिर बाकी के वर्षों की मुझे फिक्र नहीं।

मुझे बच्चों के हृदय की प्लेटों पर अच्छे संस्कार अंकित करने (लिखने) हैं ताकि उम्र के हिसाब से आने वाले वर्षों में कलियुग की भीषण आंधी से इस संघर्षमयी जीवन से टक्कर लेते हुए सुखी भाव से आगे ही आगे बढ़ते चले जाएं किसी भी कठिन परिस्थिति में टूटे नहीं। मुझे विवेकानंद की तरह ज्ञानी, झांसी की रानी, शिवाजी, राणा प्रताप व तांत्या टोपे आदि जैसे कल्कि जी के अर्जुन बनाने हैं साधु या संन्यासी नहीं। समाज के अभिन्न अंग बनाने हैं विद्रोही नहीं।

—मामाजी

भगवान श्री कल्कि का साहित्य

पैन ड्राइव
भगवान श्री कल्कि के
भजनों से अपलाडिड

भगवान श्री कल्कि के
मंत्र बोलने वाला मंत्र बॉक्स

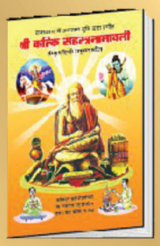

श्री कल्कि लीला, कल्कि महिमा
श्री कल्कि जी मेरे दोस्त

श्री कल्कि जी के
शुभ/धर्म का डिब्बा

भगवान श्री कल्कि की
संगमरमर पाउडर से बनी 7 इंच व
अन्य प्रकार की मूर्तियां उपलब्ध

श्री कल्कि बाल वाटिका समस्त

चाँदनी चौक ❖ कसेरू वालान, पहाड़गंज ❖ पालनपुर ❖ देहरादून ❖ असरोही ❖ कोलकाता ❖ चेन्नई
1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661
हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079
सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035
कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440
जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560
2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)
आभार/Ack. : श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स
योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु
Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383

श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका
के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—
☎9312533445, 9968066625, 9968314876
वार्षिक सदस्यता शुल्क : 120/- रुपए मात्र
न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो
मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक,
लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, अंकित गड़ौदिया,
अक्षय गड़ौदिया-9999885277

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383